पाठ योजना

कक्षा 7 इकाई -एक

इकाई का नाम - प्यार (कविता)

कालांश -

अधिगम उद्देश्य :-

- ताल-लय के साथ कविता आलाप करना ।
- कविता का आशय लिखना ।

मूल्य / मनोभाव :-

खुद से और सारी दुनिया से प्यार करें ।

अधिगम गतिविधियाँ:-

- चित्र वाचन करना ।
- कविता वाचन करना।
- कविता का आशय समझना।
- ताल-लय के साथ कविता आलाप करना।
- कविता का आशय लिखना ।

प्रक्रिया / गतिविधि

- अनौपचारिक संवाद :-

बच्चो , क्या आपने 'प्यार 'शब्द सुना है?

तो बताइए 'प्यार' का मतलब क्या है ?

हाँ । 'प्रेम' (love)

अध्यापिका 'प्यार 'शब्द श्यामपट पर लिखती हैं।
तो बताइए ,आपको किससे प्यार है?

संभावित उत्तर -

माँ, पिताजी, _ _ _ दोस्त _ _
ठीक है ।
क्या आपको पेड़ से प्यार है ?
हाँ ।
क्यों?
(प्रतिक्रिया का अवसर)
बच्चों की प्रत्येक प्रतिक्रिया पर अध्यापिका इस प्रकार कहती है:- हाँ, पेड़ हमें फल -फूल देता है।
शुद्ध वायु देता है ।
- - - - - - - -
-- - - - - - - - -
खोलें पृष्ठ संख्या 7
(पेड़ का चित्र)

- चित्र वाचन का अवसर।

बच्चो, चित्र में कौन-कौन / क्या -क्या हैं ?
हाँ ,
पेड़, आम का पेड़, बंदर, चिड़ियाँ (पक्षी), लड़का, लड़की, औरत(स्त्री)।

चित्र में कितने बंदर हैं?
दो।
बंदर क्या कर रहे हैं?
(प्रतिक्रिया का अवसर)
एक बंदर पेड़ पर बैठा है। उसके हाथ में एक आम है ।
दूसरा बंदर पेड़ पर लटक रहा है। उसके हाथ में भी एक आम है।

लड़की और औरत क्या कर रही हैं?
(प्रतिक्रिया का अवसर)
बच्चों द्वारा मातृभाषा में कहने पर अध्यापिका कहती हैं:-

हाँ, लड़की और औरत आम बीन कर (चुनकर) टोकरी में रख रही हैं।

लड़का क्या सोच रहा होगा?
यह चित्र आपसे क्या कह रहा है?
प्रतिक्रिया का अवसर
प्रतिक्रियाओं से गुज़रते हुए अध्यापिका बच्चों को इस आशय तक पहुँचाती हैं :-

"पेड़ सबको अपना फल देता है।"

"पेड़ दूसरों से प्यार करता है।"

"पेड़ खुद से(स्वयं से) प्यार करता है।"

" जो खुद से प्यार करता है वह दूसरों से भी प्यार करता है।"

अध्यापिका श्यामपट पर "खुद से प्यार" लिखती हैं।

पन्ना संख्या 8 खोलें। "खुद से प्यार " (कविता)

- चित्र वचन का अवसर (पृष्ठ संख्या 8)
- चित्र में क्या-क्या हैं? संभावित उत्तर :-

सूरज, बादल, पेड़, पेड़ की पत्ती से टपकती ओस की बूँदें, कुकुरमुत्ता, लड़की।

लड़की क्यों खुश है ?

पत्ती से टपकती ओस की बूँदें देखकर ।

- कविता की प्रथम चार पंत्तियों के वैयक्तिक वाचन का अवसर ।

सूरज अपनी आग से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके आग
दुनिया को भी ।

दो-तीन बच्चों को वाचन का अवसर ।

- दल में वाचन।
- अध्यापिका द्वारा वाचन।
- अध्यापिका निम्नलिखित शब्दों के अर्थ पूछती हैं और नए शब्दों के अर्थ बताती हैं:-

सूरज	=	सूर्य (sun)
प्यार करना	=	स्नेह करना (to love)
दुनिया	=	संसार (world)
आग	=	अग्नि (fire)

यहाँ किसे; किससे प्यार करना चाहिए?
सूरज को अपनी आग से प्यार करना चाहिए ।

यहाँ "आग" से क्या मतलब है ?
हाँ, सूरज का प्रकाश (सूरज की किरण)

" सूरज की ऊर्जा "

सूरज अपना प्रकाश किसे देता है?
सारी दुनिया को ।

अगली चार पंक्तियों का व्यक्तिगत वाचन ।

दरख़्त अपने फूलों से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके फूल
दुनिया को भी

- दो-तीन बच्चों को वाचन का अवसर ।
- दल में वाचन।
- अध्यापिका द्वारा वाचन ।

यहाँ कौन, किससे प्यार करता है? दरख़्त अपने फूलों से ।

तो दरख़्त का अर्थ क्या होगा?
हाँ, पेड़ (वृक्ष)

दरख़्त (पेड़)अपने फूल किसे देता है ?
हाँ, दुनिया को ।
दूसरों को ।

- अगली चार पंक्तियों का व्यक्तिगत वाचन ।

बादल अपने जल से
इतना प्यार करें कि
वह दे सके जल
दुनिया को भी।

- दो-तीन बच्चों की प्रस्तुति।
- दल में वाचन।
- अध्यापिका द्वारा वाचन।

बादल को किससे प्यार करना चाहिए ?
अपने जल से ।

ऐसा करने से क्या होगा ?
वह(बादल)अपना जल दुनिया को दे सकेगा ।

बच्चो ,
सूरज किससे प्यार करता है? अपने प्रकाश से ।
अपनी ऊर्जा से ।

पेड़ (दरख़्त) किससे प्यार करता है ?
अपने फूलों से

बादल किससे प्यार करता है? अपने जल से ।
तो ,हमें किससे प्यार करना चाहिए ?
संभावित उत्तर:-

माता-पिता, भाई, — — दोस्त — — —
और
पशु पक्षी — —
और
"खुद से" उत्तर मिलने तक अध्यापिका पूछती रहती हैं। अगर उत्तर ना मिले तो कविता से ढूँढ कर बताने का अवसर देती हैं।

तो हमें किससे प्यार करना चाहिए?

उत्तर -"खुद से "(स्वयं से)

- अंतिम चार पंक्तियों का व्यक्तिगत वाचन ।

मैं खुद से
इतना प्यार करूं कि
दे सकूं प्यार
दुनिया को भी ।

- दो-तीन बच्चों को वाचन का अवसर ।
- दल में वाचन।
- अध्यापिका द्वारा वाचन।

बच्चो, हमें खुद से प्यार क्यों करना चाहिए ?
जब हम खुद से प्यार करेंगे तभी हम दुनिया से / दूसरों से प्यार कर सकेंगे ।

- गतिविधि -कविता अलापन
- दलों में ताल-लय के साथ कविता आलापन का अवसर।
- प्रत्येक दल की प्रस्तुति ।
- अगर कोई विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देना चाहे तो उसे भी व्यक्तिगत रूप से अवसर ।
- कविता का ऑडियो / वीडियो प्रस्तुतीकरण।
- गृह कार्य - पृष्ठ संख्या 9
- जोड़ें और वाक्य लिखें।
- पहचानें और लिखें।
- पृष्ठ संख्या 10

- आशय पढ़ें और पंक्तियाँ ढूँढें।

गतिविधि:-

ये दुनिया को कैसे प्यार करेंगे? अपने विचार लिखें।

- सूरज -
- पेड़ -
- बादल-

उपरोक्त गतिविधि करवाने के लिए अध्यापिका पूछती हैं:- आपकी माँ अपना प्यार कैसे प्रकट करती हैं?

(प्रतिक्रिया का अवसर)

हाँ, आपको खाना देकर

कपड़ा देकर

- - - - - -

तो सूरज दुनिया को कैसे प्यार करेगा?

उत्तर -अपनी ऊर्जा देकर।

और पेड़ ?

अपने फल- फूल, वायु आदि देकर ।

और बादल ?

अपना जल देकर ।

- गतिविधि

"कविता का आशय "

आशय लेखन के लिए आवश्यक इनपुट देने के लिए अध्यापिका निम्न प्रश्न पूछती हैं और बच्चों की प्रतिक्रिया श्यामपट । पर लिखती हैं:-

1. कविता का नाम क्या है?

खुद से प्यार ।

2. यह कविता किसने लिखी है? श्री सोमनाथ यादव।

3. यह कविता कैसी है ?

छोटी, अच्छी, सुंदर ।

4. हमें खुद से प्यार क्यों करना चाहिए ?

तभी हम दुनिया से भी प्यार कर सकेंगे।

5. इस कविता में कौन किसे प्यार करता है ?

सूरज अपनी आग से ।

दरख़्त अपने फूलों से ।

बादल अपने जल से।

6 तो हमें किससे प्यार करना चाहिए?

खुद से ।

7. कविता का उद्देश्य क्या है?

खुद से और पूरी दुनिया से प्यार करना चाहिए ।

- व्यक्तिगत रूप से आशय लेखन का अवसर।
- दलों में आशय लेखन का अवसर।
- दलों में परिमार्जन ।
- प्रत्येक दल की प्रस्तुति।
- अध्यापिका की प्रस्तुति ।

खुद से प्यार (आशय)

"खुद से प्यार "नामक कविता श्री सोमनाथ यादव द्वारा लिखी गई है। यह एक छोटी और सुंदर कविता है ।कवि कहते हैं कि सूरज अपनी आग से बहुत प्यार करता है ।इसीलिए वह अपनी आग(ऊर्जा)दुनिया को दे पाता है। उसी प्रकार पेड़ अपने फूलों से और बादल अपने जल से प्यार करता है और दुनिया को देता है। इसी तरह हमें खुद से प्यार करना चाहिए तभी हम दुनिया को प्यार दे सकेंगे।